पीडियाट्रिक एंडोक्रिनोलॉजी तथ्य चार्ट

समयपूर्व स्तन का विकास: परिवारों के लिए मार्गदर्शक जानकारी

समयपूर्व स्तन का विकास (Premature thelarche) क्या होता है?

लड़कियों में स्तन के विकास की शुरुआत को थिलार्कि (thelarche) कहते हैं। आमतौर पर 8 साल की उम्र के बाद स्तन का विकास शुरू होता है और इसके साथ यौवन के अन्य लक्षणों और लम्बाई में भी वृद्धि (growth spurt) होती है। समयपूर्व स्तन के विकास का अर्थ है, 3 साल से कम उम्र की लड़कियों में स्तन ऊतक होना। इनमें स्तन बहुत शीघ्रता से नहीं बढ़ते हैं और इन लड़कियों का विकास सामान्य गति से होता है।

असली यौवन शुरू होने के बाद लड़कियों के स्तन में 4 से 6 महीनों में वृद्धि देखी जाती है, लेकिन समयपूर्व स्तन में स्तन के आकार में कई सालों तक कोई बदलाव नहीं होता, या आकार कम भी हो सकता है। आमतौर पर, दोनों स्तन एक साथ बढ़ते हैं, लेकिन कभी-कभी, समयपूर्व स्तन में केवल एक तरफ का स्तन ही प्रभावित होता है। समयपूर्व स्तन का विकास और असामयिक यौवन (true precocious puberty), अलग-अलग अवस्थाएँ हैं। असामयिक यौवन में यौवन के विशिष्ट लक्षण समय से पहले विकसित होते हैं।

समयपूर्व स्तन का विकास किन कारणों से होता है?

समयपूर्व स्तन के विकास के कारण अभी तक पूरी तरह से ज्ञात नहीं हैं। अल्ट्रासाउंड पर कुछ लड़कियों के अंडाशय (ovary) में छोटे cyst दिखाई दे सकते हैं। इनमें से एक cyst एस्ट्रोजन का उत्पादन कर सकता है और फिर गायब हो सकता है। लेकिन स्तन ऊतक पर एस्ट्रोजन का प्रभाव लंबे समय तक रह सकता है।

समयपूर्व स्तन का डायगनोसिस कैसे होता है?

इतनी छोटी उम्र में, असामयिक यौवन होने की संभावना कम है। इसलिए यदि स्तन का आकार बढ़ न रहा हो और विकास गति सामान्य हो, तो सबसे अधिक संभावना समयपूर्व स्तन होने की ही रहती है। कई चिकित्सक कोई रक्त जांच नहीं करेंगे, पर हर 4 से 6 महीनों में लड़की का शारीरिक परीक्षण करेंगे। कभी-कभी रक्त में पिट्यूटरी हार्मोन (LH) और एस्ट्रोजन की जांच करवायी जा सकती है। LH का स्तर कम और एस्ट्रोजन का स्तर सामान्य/अधिक होने की संभावना है। हाथ के एक्सरे (x-ray) से और जानकारी मिल सकती है।

6 से 8 वर्ष की उम्र के बीच स्तन का विकास शुरू होना असामयिक यौवन का संकेत होता है, हालांकि यह केवल समयपूर्व स्तन का विकास भी हो सकता है।

समयपूर्व स्तन के विकास का इलाज कैसे होता है?

क्योंकि इस स्थिति से कोई दुष्प्रभाव नहीं हैं, इसके इलाज की आवश्यकता नहीं पड़ती। अधिकतर लड़कियां जिनमें 3 वर्ष की आयु से पहले स्तन का विकास होता है, उनमें सिर्फ़ निगरानी रखने की ज़रूरत होती है। इन लड़कियों में यौवन और माहवारी सामान्य समय पर शुरू होता है। समयपूर्व स्तन के विकास से प्रभावित लड़कियों में कोई और स्वास्थ्य सम्बंधी समस्याएं नहीं देखी जाती हैं।

यह जानकारी पीडियाट्रिक एंडोक्राइन सोसाइटी के मरीज शिक्षा अनुभाग की सहायता से छपी है।

PES Pediatric Endocrine Society